गलातियों के नाम प्रेरित पौलुस के पत्री

1 1पौलुस के ओर से, जे कि एगो प्रेरित हवन, जे एगो
अइसन सेवा के बरत धारण कइले बाड़न, जवन उनका
के, ना तऽ मनुष्य से मिलल बा अउर ना ही, कवनो एगो
मनुष्य के जरिए दिहल गइल बा, बल्कि यीशु मसीह के
जरिए, ओह परम पिता परमेश्वर से, जे यीशु मसीह के मरल
में से फेरु से जिया दिहले रहलन, दिहल गइल बा। 2अउर
हमरा साथ जवन भाई बाड़न,

उ सब लोग के ओर से गलातिया [a] इलाका के कलीसियन
के नाम:

3हमनी के परम पिता परमेश्वर, अउर प्रभु यीशु मसीह के
ओर से, तहनी लोग के अनुग्रह अउर शांति मिले। 4जे हमनी
के पाप खातिर अपने आप के समर्पित कर दिहलन, जवना से
कि एह पाप से भरल संसार से, जवना में हमनी के रह रहल
बानी जा, उ हमनी के मुक्ति दिला सकसु। हमनी के परम
पिता परमेश्वर के इहे मर्जी बा। 5उ हमेशा हमेशा महिमावान
हो सकसु, आमीन!

सच्चा सुसमाचार एक ही बा

6हमरा अचरज बा। कि तू लोग अतना जल्दी, ओह परमेश्वर
से मुँह मोड़ के, कवनो दोसरा सुसमाचार के ओर जा रहल
बाड़ऽ, जे मसीह के अनुग्रह के जरिए तहरा के बुलवले रहे।
7असल में कवनो दोसर सुसमाचार तऽ हइए नइखे, बाकी
कुछ लोग अइसन बाड़न, जे तहरा के भरम में डाल रहल
बाड़न, अउर मसीह के सुसमाचार में हेर-फेर के कोशिश
कर रहल बाड़न। 8बाकी चाहे हमनी के होखींजा अउर
चाहे कवनो स्वर्गदूत, अगर तहरा के, हमनी के सुनावल
सुसमाचार से अलग सुसमाचार सुनावत बा तऽ ओकरा
के धिक्कार बा। 9जइसन कि, हमनी के पहिले कह चुकल
बानी जा, ओइसहीं हम फेरु दोहरा रहल बानी, कि अगर चाहे
हमनी के होईंजा, अउर चाहे कवनो स्वर्गदूत, अगर, तहरा
मंजूर कइल सुसमाचार से अलग, सुसमाचार सुनावत बा
तऽ ओकरा के धिक्कार बा।

10एह से का तहरा अइसन बुझात बा, कि हम मनुष्य के
समर्थन चाहता बानी? चाहे ई कि हमरा, परमेश्वर के समर्थन
मिले? चाहे का हम मनुष्य के खुश करे के कोशिश कर रहल
बानी? अगर हम मनुष्य के खुश करतीं, तऽ हम मसीह के
सेवक के जइसन, ना होइतीं।

पौलुस के सुसमाचार, परमेश्वर से हासिल बा

11हे भाई लोग, हम तहनी लोग के बतावल चाहत बानी कि,
उ सुसमाचार जेकर उपदेश, तहनी लोग के हम दिहले बानी,
12कवनो मनुष्य से हासिल सुसमाचार ना हऽ काहेंकि नाहीं
तऽ हम, एकरा के कवनो मनुष्य से पवले बानी, अउर नाही
कवनो मनुष्य, हमरा के एकर शिक्षा दिहले बा। बल्कि दैवी
संदेश के रूप में, ई यीशु मसीह के जरिए, हमरा सामने परगट
भइल बा।

13यहूदी धरम में, पहिले हम कइसे जीयत रहनी, ओकरा
के तू सुन चुकल बाड़ऽ, अउर तू इहो जानत बाड़ऽ, कि हम
परमेश्वर के कलीसिया पर, कतना अत्याचार कइले बानी
अउर ओकरा के मिटा देबे के कोशिश तक कइले बानी।
14यहूदी धरम के पाले में, हम अपना युग के समकालीन
यहूदियन से आगे रहनी, काहेंकि हमरा पुरखन से, जवन
परम्परा हमरा के मिलल रहली सऽ, ओहनी में हमरा, जोश
से भरल विश्वास रहे।

15बाकी परमेश्वर तऽ, हमरा जन्म से पहिलहीं, हमरा के
चुन लिहले रहलन अउर अपना अनुग्रह में, हमरा के बोला
लिहले रहलन। 16जवना से कि, उ हमरा के आपन पुत्र के
ज्ञान करा देसु, जवना से कि हम गैर यहूदियन के बीच में,
उनकर सुसमाचार के प्रचार करीं। ओह समय में, तुरंत हम
कवनो मनुष्य से कवनो सलाह ना लिहनी। 17अउर नाही
हम ओह लोगन के पास यरूशलेम गइनी, जे हमरा से पहिले
से प्रेरित बनल रहलन। बल्कि हम अरब गइनी अउर फेरु
ओइजा से दमिश्क लवट अइनी।

18फेरु तीन बरिस बाद, हम पतरस से मिले खातिर
यरूशलेम पहुँचनी, अउर उनका साथ एक पखवाड़ा रहनी।
19बाकी ओइजा हम प्रभु के भाई याकूब के छोड़ के, कवनो
भी दोसरा प्रेरित से ना मिलनी। 20हम परमेश्वर के सामने
किरिया खा के कहत बानी कि, जवन कुछ हम लिख रहल
बानी, ओकरा में झूठ नइखे। 21ओकरा बाद हम, सीरिया
अउर किलिकिया के इलाका में गइनी।

22बाकी यहूदिया के मसीह के माने वाला कलीसिया,
हमरा के निजी रूप से ना जानत रहले सऽ। 23बाकी उ सब,

[a] *1:2* **गलातिया** शायद ई उहे इलाका रहल होई, जहँवा आपन
पहिला धार्मिक सेवा यात्रा के मौका पर, पौलुस उपदेश दिहले
रहलन अउर कलीसिया के स्थापना कइले रहलन। देखीं प्रेरितों
के काम 13 अउर 14

लोगन के कहत सुनत रहलन सऽ, “उहे आदमी, जे पहिले हमनी के सतावल करत रहल, ओही विश्वास, मतलब ओही बिचार के, प्रचार कर रहल बा, जेकरा के कभी उ बरबाद करे के कोशिश कइले रहल।” 24हमरा कारण, उ परमेश्वर के स्तुति कइलन।

पौलुस के प्रेरितन के मान्यता

2 1चौदह बरिस बाद, हम फेरु से यरूशलेम गइनी। बरनाबास हमरा साथ रहलन अउर तितुस के भी हम साथ ले लिहले रहनी। 2हम परमेश्वर के दिव्य दरशन के कारण ओइजा गइल रहनी। हम गैर यहूदियन के बीच, जवना सुसमाचार के उपदेश दिहल करेनी, ओही सुसमाचार के हम एगो निजी सभा के बीच में, कलीसिया के मुखिया लोग के सुनवनी। हम ओइजा एह खातिर गइल रहनी, कि परमेश्वर हमरा के देखवले रहलन, कि हमरा ओइजा जाए के चाहीं। जवना से कि हम जवन काम पिछला समय में कइले रहनी, चाहे जवना के कर रहल बानी, उ बेकार मति चल जाउ।

3नतीजा के रूप में, तितुस तक के, जे हमरा साथे रहल, हाँलाकि उ यूनानी हवन, तबहुँ उनका के, ख़तना करावे खातिर मजबूर ना कइल गइल। 4बाकी ओह झूठा बंधु के कारण, जे लुक-छिप के हमनी के बीच में, भेदिया के रूप में यीशु मसीह में हमनी के आजादी के पता लगावे खातिर, एह से घुस आइल रहलन कि हमनी के दास बना सकसु, ई बात उठल 5बाकी हमनी के उनका अधीनता में समर्पण ना कइनी जा, कि उ सच्चाई, जवन कि सुसमाचार में रहेले, तहनी लोग के भीतर बनल रहे।

6बाकी नामी गिरामी इज्जतदार लोगन से, हमरा कुछ ना मिलल। (उ लोग कइसनो रहलन, हमरा एकरा से कवनो अंतर नइखे पड़त। बिना कवनो भेदभाव के सब मनुष्य, परमेश्वर के सामने एक जइसन बाड़न।) ओह इज्जतदार लोगन से, हमरा चाहे हमरा सुसमाचार के, कवनो फायदा ना भइल। 7बाकी ई मुखिया लोग देखलन कि परमेश्वर हमरा के ओइसहीं एगो खास काम सँउपले बाड़न, जइसे पतरस के, परमेश्वर यहूदियन के सुसमाचार सुनावे के काम दिहले रहलन। बाकी परमेश्वर, गैर यहूदी लोगन के सुसमाचार सुनावे के काम, हमरा के दिहलन। 8परमेश्वर, पतरस के एगो प्रेरित के रूप में, काम करे के शक्ति दिहले रहलन। पतरस गैर यहूदी लोगन खातिर एगो प्रेरित हवन। परमेश्वर हमरो के एगो प्रेरित के रूप में, काम करे के शक्ति दिहले बाड़न। बाकी हम ओह लोगन के प्रेरित हईं, जे यहूदी ना हवन। 9एह तरह से उ, हमरा पर, परमेश्वर के ओह अनुग्रह के, समझ लिहलन अउर कलीसिया के स्तम्भ समुझल जाये वाला याकूब, पतरस अउर यूहन्ना, बरनाबास अउर हमरा संगे, साझेदारी के चिन्ह के रूप में, हाथ मिला लिहलन। अउर उ लोग राजी हो गइलन, कि हमनी के विधरमीयन के बीच में, उपदेश देत रहीं जा, अउर उ लोग यहूदियन के बीच। 10उ लोग हमनी से बस इहे कहलन कि हमनी के उनकर गरीबन के ध्यान रखीं जा। अउर हम एही काम के ना खाली कइल चाहत रहनी, बल्कि एकरा खातिर लालायित भी रहनी।

पौलुस के नजर में पतरस अनुचित

11बाकी जब पतरस अन्ताकिया अइलन, तऽ हम खुल के उनकर विरोध कइनी काहेंकि उ गलत रहलन। 12काहेंकि याकूब के भेजल कुछ लोगन के, एइजा पहुँचे से पहिले, उ गैर यहूदियन के साथ खात-पीयत रहलन। बाकी ओह लोगन के अइला के बाद, उ गैर यहूदियन से आपन हाथ खींच लिहलन, अउर अपना के उनका से अलग कर लिहलन। उ ओह लोगन के डर से अइसन कइलन, जे चाहत रहलन कि गैर यहूदियन के भी खतना होखे के चाहीं। 13दोसर यहूदियन भी एह देखावा में उनकर साथ दिहलन। एइजा तक कि एह देखावा के कारण, बरनाबास तक भटक गइलन। 14हम जब ई देखनी, कि सुसमाचार में मौजूद सच्चाई के मुताबिक, उ सीधा राह पर नइखन चलत, तऽ सब के सामने पतरस से कहनी, “जब तू यहूदी हो के भी, गैर यहूदी के जइसन जीवन जीयत बाड़ऽ, तऽ फेरु गैर यहूदियन के, यहूदियन के परंपरा पर चले खातिर, कइसे मजबूर कर सकत बाड़ऽ?”

15हमनी के तऽ जनम से यहूदी हईं जा। हमनी के पापी गैर यहूदी से, कवनो सम्बन्ध नइखे। 16तबहूँ हमनी के ई जानत बानी जा, कि कवनो आदमी के व्यवस्था के विधान माने के कारण ना, बल्कि यीशु मसीह में विश्वास के कारण, नेक कहल जाला। हमनी के एह से यीशु मसीह के विश्वास धारण कइले बानी जा, कि एह विश्वास के कारण से, हमनी के नेक ठहरावल जाईं जा, ना कि व्यवस्था के विधान के पालन के कारण। काहेंकि ओकरा के पाले से तऽ, कवनो भी मनुष्य धरमी ना होखेला।

17बाकी अगर हमनी के जे यीशु मसीह में आपन स्थिति के कारण धरमी ठहरावल जाइल चाहत बानी जा, अउर हमनी के ही बेधरमी के जइसन पापी पावल जाईं जा, तऽ एकर मतलब का ई नइखे, कि मसीह पाप के बढ़ावा देबेलन। एकदम ना। 18अगर जेकर हम त्याग कर चुकल बानी, ओही रिवाज के, फेरु से उपदेश देबे लागीं, तब तऽ हम आज्ञा के लांघे वाला अपराधी बन जाइब। 19काहेंकि, व्यवस्था के विधान के जरिए, व्यवस्था खातिर तऽ हम मर गइनी, कि परमेश्वर खातिर हम फेरु से जी जाईं। मसीह के साथ हमरा के क्रूस पर चढ़ा दिहल गइल बा। 20एही से अब आगे हम जिन्दा नइखीं, बाकी मसीह हमरा में जिन्दा बाड़न। एह

से एह शरीर में, अब हम जवना जीवन के जी रहल बानी, उ तऽ विश्वास पर टिकल बा। परमेश्वर के ओह पुत्र के खातिर, विश्वास पर, जे कि हमरा से प्रेम करत रहलन, अउर जे अपने आप के, हमरा खातिर संउप दिहलन। 21हम परमेश्वर के अनुग्रह के नकारत नइखीं, बाकी अगर धार्मिकता, व्यवस्था के विधान के जरिए, परमेश्वर से नाता जोड़ पाइत, तऽ मसीह बेकार में आपन प्राण काहें दिहतन।

परमेश्वर के बरदान विश्वास से मिलेला

3 1हे मूर्ख गलातियन, तहरा लोग पर के जादू कर दिहले बा? तहरा के तऽ, सब के सामने यीशु मसीह के क्रूस पर कइसे चढ़ावल गइल रहे, एकर पूरा विवरण दे दिहल गइल रहे। 2हम तहरा से बस अतना जानल चाहत बानी, कि तू आत्मा के बरदान, का व्यवस्था के विधान के पाल के पवले रहलऽ, कि सुसमाचार के सुने अउर ओकरा पर विश्वास कइला से? 3का तू अतना मूरख हो सकत बाड़ऽ कि जवना जीवन के, तू आत्मा से शुरू कइलऽ, ओकरा के अब हाड़-मांस के देह के ताकत से पूरा करबऽ? 4तू एतना कष्ट का बेकार में उठवलऽ? उम्मीद बा, कि उ सब बेकार ना रहे। 5परमेश्वर, जवन तहरा के आत्मा देबेलन, अउर तहरा बीच में अचरज करम करेलन, उ ई एह से करेलन, कि तू व्यवस्था के विधान के पालन करत बाड़ऽ, कि एह खातिर कि तू सुसमाचार के सुनले बाड़ऽ अउर ओकरा पर विश्वास कइले बाड़ऽ।

6ई ओइसहीं बा, जइसे कि अब्राहम के बारे में, शास्त्र कहत बा: "उ परमेश्वर में विश्वास कइलन, अउर ई उनका खातिर धार्मिकता, गिनल गइल।" 7तऽ फेरु तू ई जान लऽ, कि अब्राहम के सच्चा वंशज उहे हवन, जे कि विश्वास करेलन। 8शास्त्र पहिलहीं बता दिहले रहल, "परमेश्वर गैर यहूदियन के भी, उनका विश्वास के कारण धरमी ठहराई। अउर एह शब्द के साथ, पहिले से ही अब्राहम के, परमेश्वर के जरिए सुसमाचार के जानकारी दे दिहल गइल रहे।" 9एही से उ लोग जे विश्वास करेलन, विश्वासी अब्राहम के संगे आशीर्वाद पावेलन।

10बाकी उ सब लोग, जे व्यवस्था के विधान के पालन पर निर्भर रहेलन, उ तऽ कवनो सराप के अधीन बाड़न। शास्त्र में लिखल बा: "अइसन हर आदमी सराप से ग्रस्त बा, जे व्यवस्था के विधान के किताब में, लिखल हर बात के, लगन के साथ पालन ना करेला।" 11अब ई साफ बा, कि व्यवस्था के विधान के जरिए, परमेश्वर के सामने केहू भी नेक ना ठहरे। काहेंकि शास्त्र के मुताबिक, "धरमी आदमी विश्वास के सहारे जिन्दा रही।"

12बाकी, व्यवस्था के विधान तऽ, विश्वास पर नइखे टिकल, बल्कि शास्त्र के मुताबिक, जे व्यवस्था के विधान के पालन करी, उ ओकरे सहारे जिन्दा रही। 13मसीह हमनी के सराप के, अपना उपर लेके, व्यवस्था के विधान के सराप से, हमनी के छुटकारा दिहलन। शास्त्र कहेला: "हर केहू, जे पेड़ पर टाँग दिहल जाला, उ सराप से ग्रस्त बा।" 14मसीह हमनी के एह खातिर मुक्त कइलन कि, अब्राहम के दिहल गइल आशीर्वाद, मसीह यीशु के जरिए, गैर यहूदियन के भी मिल सके, जवना से कि, विश्वास के जरिए हमनी के, ओह आत्मा के हासिल करीं जा, जेकर बचन दिहल गइल रहे।

व्यवस्था के विधान अउर बचन

15हे भाई लोग, अब हम तहनी लोग के, रोज रोज के जीवन से, एगो उदाहरण देवे जा रहल बानी। देखऽ, जइसे कवनो मनुष्य के जरिए, कवनो करार कर लिहल पर, ना तऽ ओकरा के रद्द कइल जा सकत बा, अउर ना ही ओकरा में से कुछ घटावल जा सकेला। अउर ना बढ़ावल, 16ओइसहीं, अब्राहम अउर उनकर आवे वाला बंशज के साथ, कइल गइल प्रतिज्ञा के बारे में भी बा। (देखऽ, शास्त्र ई ना कहे, "अउर उनकर बंशज के" अगर अइसन होइत तऽ बहुत लोग के ओर इशारा होइत, बाकी शास्त्र में एक बचन के प्रयोग बा। शास्त्र कहत बा, "अउर तहार बंशज के" जे मसीह हवन।) 17हमार मतलब ई बा, कि जवना करार के, परमेश्वर पहिलहीं तय कर चुकल बाड़न, ओकरा के, चार सौ तीस साल बाद आवे वाला व्यवस्था के बिधान, नइखे बदल सकत, अउर ना ही ओकरा बचन के नकार सकत बा।

18काहेंकि, अगर उत्तराधिकार व्यवस्था के विधान पर टिकल बा, तऽ फेरु उ बचन पर ना टिकी। बाकी परमेश्वर, बचन के जरिए उत्तराधिकार, मुक्त रूप से अब्राहम के दिहले रहलन।

19फेरु भला व्यवस्था के विधान के मतलब का रहल? आज्ञा के ना माने के अपराध के कारण, व्यवस्था के विधान के, बचन से जोड़ दिहल गइल रहे, जवना से कि जेकरा खातिर बचन दिहल गइल रहे, ओह बंशज के आवे तक, उ रहे। व्यवस्था के विधान एगो मध्यस्थ के रूप में, मूसा के मदद से, स्वर्गदूत के जरिए दिहल गइल रहे। 20अब देखऽ, मध्यस्थ तऽ दू गो के बीच में होखेला, बाकी परमेश्वर तऽ एकही बाड़न।

मूसा के व्यवस्था के विधान के प्रयोजन

21का एकर मतलब ई बा, कि व्यवस्था के विधान, परमेश्वर के बचन के विरोधी बा? एकदम ना। काहेंकि, अगर अइसन व्यवस्था के विधान दिहल गइल रहित, तऽ जवन लोगन में जीवन के संचार कर सकित, तऽ उ व्यवस्था के विधान ही, परमेश्वर के सामने, धार्मिकता के सिद्ध करे के साधन बन जाइत। 22बाकी शास्त्र कहले बा, कि, ई पूरा संसार, पाप के

ताकत के अधीन बा। जवना से कि, यीशु मसीह में विश्वास के आधार पर, जवन बचन दिहल गइल बा, उ विश्वासी लोगन के भी मिले।

23एह विश्वास के आवे से पहिले, हमनी के व्यवस्था के विधान के देखरेख में, एह आवे वाला विश्वास के परगट होखे तक, बंदी के रूप में राखल गइल। 24एह तरह से व्यवस्था के विधान, हमनी के मसीह तक ले जाए खातिर, एगो कठोर अभिभावक रहे, जवना से कि अपना विश्वास के आधार पर, हमनी के नेक कहाईं जा। 25अब जब ई विश्वास परगट हो गइल बा, तऽ हमनी के, ओह कठोर अभिभावक के अधीन नइखीं जा।

26यीशु मसीह में विश्वास के कारण, तू सब परमेश्वर के संतान बाड़ऽ। 27काहेंकि, तू सब जे मसीह के बपतिस्मा ले लिहले बाड़ऽ, मसीह में समा गइल बाड़ऽ। 28एह से अब केहू में कवनो फरक ना रहल, ना केहू यहूदी रहल, ना गैर यहूदी, ना दास रहल, ना आजाद, ना पुरूष रहल, ना अउरत, काहेंकि मसीह यीशु में, तू सब लोग एक बाड़ऽ। 29अउर काहेंकि, तू मसीह के बाड़ऽ, तऽ फेरु तू अब्राहम के बंशज बाड़ऽ, अउर परमेश्वर जवन बचन अब्राहम के दिहले रहलन, ओह बचन के उत्तराधिकारी बाड़ऽ।

4 1हम कहत बानी कि उत्तराधिकारी जब तक बालक होखेला, तऽ चाहे सब कुछ के मालिक उहे होखेला, तबहूँ उ दास से ज्यादा कुछ ना रहेला। 2उ अभिभावक, अउर घर के सेवकन के, तब तक अधीन रहेला, जब तक ओकरा पिता के जरिए उ तय कइल समय, ना आ जाला। 3हमनियो के हालत भी, अइसने बा। हमनी के भी जब बच्चा रहनी जा, तऽ सांसारिक नियम के दास रहनी जा। 4बाकी जब सही मौका आइल तऽ, परमेश्वर अपना पुत्र के भेजलन, जवन कि एगो अउरत से जनमल रहलन, अउर व्यवस्था के अधीन जियत रहलन। 5जवना से कि उ व्यवस्था के अधीन व्यक्ति सब के मुक्त कर सके, जवना से कि हमनी के परमेश्वर के गोदी लिहल बच्चा बन सकीं जा।

6अउर फेरु काहेंकि, तू परमेश्वर के पुत्र हवऽ, एह से उ तहरा हृदय में पुत्र के आत्मा के भेजलन। उहे आत्मा "हे अब्बा, हे पिता" कह के पुकारेले। 7एह से अब तू दास नइखऽ, बल्कि पुत्र बाड़ऽ, अउर काहेंकि तू पुत्र बाड़ऽ, एहिसे तहरा के परमेश्वर, आपन उत्तराधिकारी भी बनवले बाड़न।

गलाती मसीहियन खातिर पौलुस के प्रेम

8पहिले तू लोग जब परमेश्वर के ना जानत रहलऽ, तऽ तू लोग देवता के दास रहलऽ। उ सही में परमेश्वर ना रहलन। 9बाकी अब तू परमेश्वर के जानत बाड़ऽ, चाहे अइसे कहे के चाहीं, कि परमेश्वर के जरिए अब तहरा के पहिचान लिहल गइल बा। फेरु तू ओह बिना गुन के, कमजोर नियम के ओर काहें लवट रहल बाड़ऽ। तू फेरु से, उनका अधीन काहें भइल चाहत बाड़ऽ? 10तू कवनो खास दिन, महीना, मौसम अउर बरिस के माने लागल बाड़ऽ लोग। 11तहनी के बारे में हमरा डर बा, कि तहनी लोग खातिर जवन काम हम कइले बानी, उ सब कहीं बेकार तऽ नइखे हो गइल।

12हे भाई लोग, कृपा करके हमरा जइसन बन जा। देखऽ, हमहूँ तऽ, तहनी लोग जइसन बन गइल बानी, ई तहनी लोग से हमार विनती बा, अइसन नइखे, कि तहनी लोग हमरा खातिर, कवनो गलती कइले बाड़ऽ। 13तू लोग तऽ जानते बाड़ऽ कि, आपन शारीरिक रोग के कारण, हम पहिला बार, तहनी लोग के ही सुसमाचार सुनवले रहनी। 14अउर तू लोग भी, हमरा बिमारी के कारण, जवन तोहार परीक्षा लिहल गइल रहे, ओकरा चलते हमरा के छोट ना समुझलऽ, अउर ना ही, हमरा के मना कइलऽ। बल्कि तू लोग परमेश्वर के स्वर्गदूत के रूप में, हमार स्वागत कइलऽ। जइसे कि, हम खुद मसीह यीशु ही रहनी। 15तऽ तोहार ओह खुशी के का भइल? हम अपने, तहरा खातिर एह बात के गवाह बानी कि अगर तू समरथवाला रहितऽ, तऽ तू आपन आँख तक निकाल के हमरा के दे दिहितऽ। 16तऽ का साँच बोले से ही, हम तोहार शत्रु हो गइनी?

17तहरा के, व्यवस्था के विधान पर चलावल चाहे वाला लोग, तहरा में बड़ा रूचि लेबेलन। बाकी उनकर उद्देश्य, नीमन नइखे। उ, तहरा के, हमरा से अलग कइल चाहत बाड़न। जवना से कि तू, उनका में खूब रूचि ले सकऽ। 18कवनो, केहू में हमेशा खूब रूचि लेत रहे, ई तऽ एगो बढ़िया बात बा, बाकी ई कुछ नीमन खातिर होखे के चाहीं। अउर बस ओही समय ना, जब हम तहरा साथ बानी। 19हमार प्यारा बच्चा लोग! हम तहनी लोग खातिर एक बार फेरु, संतान के जनम देबे वाला कष्ट के झेल रहल बानी, जब तक तू, मसीह के जइसन नइखऽ हो जात। 20हम चाहत बानी कि अबहीं तहरा पास आ पहुँची, अउर तहरा साथ अलग तरह से बात करीं, काहेंकि हम समुझ नइखीं पावत, कि तहरा खातिर का कइल जाउ।

सारा अउर हाजिरा के उदाहरण

21व्यवस्था के विधान के अधीन रहल चाहेवाला लोग से, हम पूछल चाहत बानी कि: का तू व्यवस्था के विधान के, ई कहल नइखऽ सुनले। 22कि अब्राहम के दूगो पुत्र रहलन। एगो के जनम, एगो दासी से भइल रहे, अउर दूसरा के एगो आजाद अउरत से। 23दासी से पैदा भइल पुत्र, कुदरती हालत में जनमल रहे, बाकी आजाद अउरत से जवन पुत्र पैदा भइल रहे, उ परमेश्वर के कइल गइल प्रतिज्ञा के नतीजा रहे।

24एह सब बात के, संकेत रूप में मतलब बा: ई दूगो अउरत, दूगो वाचा के चिन्ह बाड़ी सऽ। एगो वाचा सिनै परबत

से मिलल रहे, जे कि ओह लोगन के जनम दिहल, जे गुलामी खातिर रहलन। ई वाचा हाजिरा से जुड़ल बा। 25हाजिरा अरब में स्थित सिनै परबत के चिन्ह बा, उ अभी मौजूद यरूशलेम के ओर इशारा करेले, काहेंकि उ अपना बच्चा सब के साथ, गुलामी भुगत रहल बीया। 26बाकी स्वर्ग में मौजूद यरूशलेम, आजाद बा। अउर उहे हमनी के माई बा। 27शास्त्र कहत बा:

> "बाँझ! आनन्द मनावऽ, तू केहू के ना जनम दिहलू;
> खुशी के आवाज दऽ, तहरा प्रसव वेदना ना भइल,
> अउर हँसी-खुशी में खिलखिलाइल करऽ। काहेंकि,
> जेकर त्याग भइल ओकर अनगिनत संतान बाड़ी
> सऽ, ओकर ओतना नइखी सऽ, जे पतिवाली बीया
> *यशायाह 54:1*

28एह से हे भाई लोग, अब तू लोग इसहाक जइसन, परमेश्वर के बचन के संतान हवऽ लोग। 29बाकी जइसे ओह समय, कुदरती हालत के बीच पैदा भइल, आत्मा के शक्ति से पैदा भइल के सतावत रहे, उहे हालत आज बा। 30बाकी देखऽ, पवित्र शास्त्र का कहत बा? "एह दासी, अउर एकर पुत्र के निकाल के बाहर करऽ, काहेंकि ई दासी के पुत्र तऽ, आजाद अउरत के पुत्र के साथ उत्तराधिकारी ना होई।" 31एही से हे भाई लोग, हमनी के ओह दासी के संतान ना हईं जा, बल्कि हमनी के तऽ आजाद अउरत के संतान हईं जा।

आजाद बनल रहऽ

5 1मसीह हमनी के आजाद कइले बाड़न, जवना से कि हमनी के, आजादी के आनन्द ले सकीं जा। एह से अपना विश्वास के मजबूत बनवले राखऽ, अउर फेरु से, व्यवस्था के विधान के जुआ के बोझ मत उठावऽ। 2सुनऽ! खुद हम, पौलुस तहरा से कह रहल बानी, कि अगर खतना करा के, तू फेरु से व्यवस्था के विधान के ओर लवटत बाड़ऽ, तऽ तहरा खातिर, मसीह के कवनो महत्व ना रही। 3आपन खतना करावे देबे वाला हरेक आदमी के, हम एक बार फेरु से कहि देत बानी कि, ओकरा पूरा व्यवस्था के नियम पर चलल जरूरी बा। 4तहनी लोग में से जतना लोग भी व्यवस्था के पालन के कारण, धरमी के रूप में मंजूर भइल चाहत बाड़न, उ सब मसीह से दूर हो गइल बाड़न, अउर परमेश्वर के अनुग्रह क्षेत्र से बाहर बाड़न। 5बाकी हमनी के विश्वास के जरिए, परमेश्वर के सामने, धरमी मंजूर कइल जाए के उम्मीद राखेनी जा। आत्मा के मदद से, हमनी के एकर बाट जोह रहल बानी जा। 6काहेंकि, मसीह यीशु में स्थिति खातिर, ना तऽ खतना करावे के कवनो महत्व बा, अउर ना ही खतना ना करावे के, बल्कि ओकरा में तऽ प्रेम से पैदा होखे वाला विश्वास के ही महत्व बा।

7तू तऽ, बहुत नीमन से एगो मसीह के जीवन, जियत रहल बाड़ऽ लोग। अब तहनी लोग के, अइसन का बा जे सच्चाई पर चले से रोक रहल बा। 8अइसन कुमति, जे तहरा के सच्चाई से दूर कर रहल बीया, तहरा के बोलावे वाला, परमेश्वर के ओर से, नइखे आइल। 9"थोड़े सा खमीर सानल गइल पूरा आटा के, खमीर से उठा लेबेला।" 10प्रभु खातिर, हमार पूरा भरोसा बा, कि तू कवनो दोसरा विचार के ना अपनइबऽ, बाकी, तहरा के हिलावे वाला, चाहे केहू भी होखे, उचित सजा पाई।

11हे भाई लोग, अगर हम आज भी, जइसन कि कुछ लोग हमरा पर दोष लगावत बाड़े, कि हम खतना के प्रचार करेनी, तऽ हमरा के, अभी तक कष्ट काहें दिहल जा रहल बा? अउर अगर हम अभिओ, खतना के जरूरत के प्रचार करत बानी, तब तऽ मसीह के क्रूस के कारण, पैदा भइल हमार सब परेशानी, खत्म हो जाये के चाहीं। 12हम तऽ चाहत बानी, कि उ, जे तहरा के डिगावल चाहत बाड़न, खतना करावे के साथ-साथ, अपना के बधिया भी करा दिहितन।

13बाकी भाई लोग, तहनी लोग के, परमेश्वर आजाद रहे खातिर चुनले बाड़न। बाकी ओह आजादी के, अपने आप पूर्ण सुभाव के पूर्ति के जरिया मति बने दऽ, एकरा उल्टा, प्रेम के कारण परस्पर एक दूसरा के सेवा करऽ। 14काहेंकि, पूरा व्यवस्था के नियम के, निचोड़ के संग्रह, एह एगो बात में बा: "अपना साथी से, ओइसहीं प्रेम करऽ, जइसे तू अपने आप से करेलऽ।" 15बाकी आपस में काट करत, अगर एक दूसरा के खात रहबऽ, तऽ देखऽ! तू लोग आपस में ही, एक दूसरा के खतम कर देबऽ।

मनुष्य -प्रकृति, अउर आत्मा

16बाकी हम कहत बानी, कि आत्मा के अनुशासन के मुताबिक, व्यवहार करऽ, अउर आपन पाप से भरल सुभाव के इच्छा के पूर्ति, मति करऽ। 17काहेंकि, शारीरिक भौतिक इच्छा, पवित्र आत्मा के इच्छा के अउर पवित्र आत्मा के इच्छा, शारीरिक भौतिक इच्छा के उल्टा होखेलिसऽ। एहनी के, आपस में विरोध बा। एह से जवन तू कइल चाहत बाड़ऽ, उ कर नइखऽ सकत। 18बाकी अगर तू पवित्र आत्मा के अनुशासन में, चलत बाड़ऽ, तऽ व्यवस्था के नियम के अधीन नइखऽ रहत।

19अब देखऽ! हमनी के शरीर के, पापपूर्ण सुभाव के काम के, तऽ सब जानत बा। उ काम बाड़े सऽ: व्यभिचार, अपवित्रता, भोगविलास, 20मूर्ति पूजा, जादू-टोना, बैर भाव, लड़ाई-झगड़ा, डाह, क्रोध, स्वार्थीपन, मतभेद, फूट, जलन, 21नशा, लंपटई चाहे अइसने कुछ अउर बात। अब हम तहरा के, एह बात सब के बारे में, ओइसहीं चेता रहल बानी, जइसे

कि हम तहरा के पहिलहीं चेता दिहले रहनी, कि जे लोग अइसन बात मे भाग लीही, उ लोग परमेश्वर के राज के उत्तराधिकार ना पइहें। 22जबकि पवित्र आत्मा, प्रेम, खुशी, शांति, धीरज, दयालुता, नेकी, विश्वास, 23नम्रता अउर अपना पर नियंत्रण उपजावेला। अइसन बात के खिलाफ, कवनो व्यवस्था के नियम नइखे। 24उ लोग, जे यीशु मसीह के बाड़न, आपन पाप से भरल मानव सुभाव के, वासना अउर इच्छा के साथ, क्रूस पर चढ़ा दिहले बाड़न। 25काहेंकि, जब हमनी के एह नया जीवन के सोत आत्मा बीया, तऽ आवऽ आत्मा के मुताबिक ही, चलीं जा। 26हमनी के घमंडी मति बनीं जा। एक दूसरा के, मति चिढ़ाईं जा। अउर ना ही, एक दूसरा से जलन राखीं जा।

एक दूसरा के मदद करऽ

6 1हे भाई लोग, तहरा में से कवनो आदमी, कवनो पाप करत पकड़ल जाउ, तऽ तहनी आध्यात्मिक लोग के चाहीं, कि नम्रता के साथ, ओकरा के धरम के राह पर, वापस ले आवे में मदद करे। अउर खुद अपना खातिर भी, सावधानी के पालन करऽ, कि कहीं तू अपने भी, कवनो परीक्षा में मति पड़ जा। 2आपस में, एक दूसरा के बोझ उठावऽ। एह तरह से, तू मसीह के व्यवस्था के पालन करबऽ। 3अगर कवनो आदमी, खास ना होके भी, अपना के खास समुझेला, तऽ उ, अपना के धोखा देबेला। 4अपना कर्म के कीमत के आकलन, हर केहू के, अपने करत रहे के चाहीं। अइसन कइला पर ही, ओकरा अपने आप पर, केहू दोसरा से तुलना कइले बिना, गर्व करे के मौका मिली। 5काहेंकि, आपन जिम्मेदारी, हर केहू के, अपनहीं उठावे के बा।

जीवन खेत बोवे जइसन बा

6जेकरा के परमेश्वर के बचन सुनावल गइल बा, ओकरा चाहीं, कि जवन बढ़िया चीज ओकरा पास बाड़ी सऽ, ओकरा में अपना उपदेशक के, साझी बनावे।

7अपने आप के छलऽ मति। परमेश्वर के केहू बेवकूफ नइखे बना सकत, काहेंकि जे जइसन बोई, ओइसने काटी। 8जे आपन शरीर खातिर बोई, उ आपन शरीर से, विनाश के फसल काटी। बाकी जे आत्मा के खेत में बीज बोई, उ आत्मा के जरिए, अनन्त जीवन के फसल काटी। 9एह से आवऽ, हमनी के भलाई करत, कभी मति थाकीं जा, काहेंकि अगर हमनी के, भलाई करते रहब जा, तऽ सही समय अइला पर, हमनी के ओकर फल मिली। 10एह से जइसहीं कवनो मौका मिले, हमनी के सब के साथ, भलाई करे के चाहीं, खास कर के, अपना धरम भाई लोग के साथ।

पत्र के अंत

11देखऽ, हम तहरा के केतना बड़ा-बड़ा अक्षर में लिखले बानी। 12अइसन लोग, जे शारीरिक रूप से नीमन देखावा कइल चाहेलन, तहरा पर खतना करावे के दबाव डालेलन। बाकी उ अइसन बस एह खातिर करेलन, कि उनका मसीह के क्रूस के कारण, कष्ट मति सहे के पड़े। 13काहेंकि, उ खुद भी, जेकर खतना हो चुकल बा, व्यवस्था के नियम के पालन ना करेलन, बाकी तबहुँ उ ई चाहेलन, कि तू खतना करावऽ, जवना से कि उ, तहरा जरिए एह शारीरिक रिवाज के, अपनवला पर डींग हाँक सकसु।

14बाकी जेकरा जरिए हम संसार खातिर, अउर संसार हमरा खातिर, मर गइल, प्रभु यीशु मसीह के ओह क्रूस के छोड़ के, हमरा अउर केहू पर गर्व मति होखे। 15काहेंकि ना तऽ खतना के कवनो महत्व बा, अउर नाही बिना खतना के। अगर महत्व बा, तऽ उ नया सृष्टि के बा। 16एह से, जे लोग एह धरम नियम पर चली, उनका पर, अउर परमेश्वर के इस्राएल पर, शांति अउर दया होत रहे।

17चिट्ठी के अंत करत, हम तहनी लोग से विनती करत बानी, कि अब हमरा के, कवनो अउर दुख मति दऽ। काहेंकि, हम तऽ पहिलहीं, अपना देह में, यीशु के घाव के लेके घूम रहल बानी।

18हे भाई लोग, हमनी के प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह, तहनी लोग के आत्मा के साथ, बनल रहे। आमीन!